# RNA : Real News Analysis

# DAILY CURRENT AFFAIRS

**UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,**
**और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण**

**DATE**
**अक्टूबर**
**08**
**2025**

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

**By Ankit Avasthi Sir**

# IUCN कांग्रेस में भारत की पहली रेड लिस्ट का अनावरण किया गया / India's First Red List Unveiled At IUCN Congress

**संदर्भ:**

भारत अपनी पहली **रेड लिस्ट ऑफ एंडैन्जर्ड स्पीशीज** (Red List of Endangered Species) 2025 में पेश करने जा रहा है। यह लिस्ट **अंतरराष्ट्रीय संघटन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (IUCN)** के **कंजर्वेशन कांग्रेस** के दौरान अबू धाबी, संयुक्त अरब अमीरात में **9 से 15 अक्टूबर** के बीच जारी की जाएगी।

**भारत की "रेड लिस्ट" की जानकारी:**

भारत की पहली **रेड लिस्ट ऑफ एंडेंजरड स्पीशीज़** देश के **संकटग्रस्त वनस्पति और जीव-जंतुओं** का व्यापक आकलन प्रदान करेगी।

- इसका उद्देश्य संरक्षण रणनीतियों को मार्गदर्शन देना, नीति निर्माण में सहायता करना, और जैव विविधता हानि के प्रति जन जागरूकता बढ़ाना है।
- यह सूची भारत के वन्यजीव संरक्षण प्रयासों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ संरेखित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

**IUCN World Conservation Congress 2025 – जानकारी**

**क्या है?** IUCN World Conservation Congress (WCC) हर चार साल में आयोजित होने वाला वैश्विक सम्मेलन है, जिसे **International Union for Conservation of Nature (IUCN)** आयोजित करता है।

- इसमें **सरकारें, नागरिक समाज, वैज्ञानिक, आदिवासी समूह और निजी क्षेत्र के नेता** शामिल होते हैं।
- सम्मेलन का उद्देश्य **प्रकृति संरक्षण, जलवायु कार्रवाई और सतत विकास** के लिए वैश्विक प्राथमिकताएँ तय करना है।
- इसे दुनिया का सबसे बड़ा और प्रभावशाली **संरक्षण नीति मंच** माना जाता है।
- **आयोजक देश:** संयुक्त अरब अमीरात

**इतिहास:**

- पहला IUCN Congress 1948 में हुआ।
- भारत 1969 से IUCN का सदस्य है।
- पिछला Congress 2021 में **Marseille, फ्रांस** में हुआ था, जिसमें COVID-19 के बाद की बहाली, जैव विविधता हानि और जलवायु संकट पर ध्यान केंद्रित किया गया।

**2025 के थीम्स:**

1. **Resilient Conservation Action** – पारिस्थितिक तंत्र की बहाली और प्रजातियों के संरक्षण का विस्तार।
2. **Reducing Climate Overshoot Risks** – जलवायु प्रभावों को कम करना और अपरिवर्तनीय पारिस्थितिकी संकट से बचाव।
3. **Delivering on Equity** – समावेशी, न्यायसंगत और समुदाय-संचालित संरक्षण।
4. **Nature-Positive Economies & Societies** – सतत उत्पादन, सर्कुलर इकोनॉमी और ग्रीन फाइनेंस को बढ़ावा।
5. **Disruptive Innovation & Leadership** – तकनीक, AI और युवा नेतृत्व के जरिए संरक्षण में नवाचार।

**प्रतिभागी:**

- 9,000 से अधिक वैश्विक प्रतिनिधि, जिनमें राष्ट्राध्यक्ष, वैज्ञानिक, नीति विशेषज्ञ और उद्योग नेता शामिल।
- प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संगठनों जैसे **CBD, UNFCCC, Ramsar Convention, UNEP** की भागीदारी।

**मुख्य विशेषताएँ:**

- **Global Voting Forum:** 1,400+ IUCN सदस्य संगठन वैश्विक संरक्षण नीति पर मतदान करेंगे।
- **Marketplace for Innovation:** अनुसंधान, तकनीक और प्रकृति-आधारित समाधानों का आदान-प्रदान।
- **Networking Hub:** वैज्ञानिकों, NGOs, नीति निर्माताओं और कंपनियों के बीच सहयोग।
- **Public Outreach:** प्रदर्शनियां, फिल्म स्क्रीनिंग और शैक्षिक कार्यक्रमों के माध्यम से जन सहभागिता।
- **Outcome Document:** 2030 के जैव विविधता लक्ष्यों के लिए **Global Conservation Declaration** को अपनाया जाएगा।

# वैकल्पिक विवाद समाधान / Alternative Dispute Resolution

**संदर्भ:**

भारत की अदालतें लंबित मामलों के बोझ तले दब रही हैं। नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड (NJDG) के अनुसार, देश में **4.57 करोड़ से अधिक लंबित मामले** हैं, जिनमें लगभग **63 लाख हाई कोर्ट** और **80,000 से अधिक सुप्रीम कोर्ट** में हैं। ऐसे हालात में, न्याय में देरी अक्सर "न्याय की अनुपलब्धता" में बदल जाती है।

- इसी संदर्भ में सरकार का वैकल्पिक विवाद समाधान (ADR) को मजबूत करने का प्रयास महत्वपूर्ण बदलाव की दिशा है।
- ADR केवल एक कानूनी विकल्प नहीं, बल्कि भारतीय पारंपरिक विवाद समाधान पर आधारित दर्शन है, जो न्याय को संघर्ष से सहमति, और पदानुक्रम से सामंजस्य की ओर ले जाता है।

## वैकल्पिक विवाद समाधान (Alternative Dispute Resolution – ADR)

**परिभाषा:** ADR उन प्रक्रियाओं का समूह है जो पक्षकारों को **साधारण अदालत के बाहर विवाद हल करने** का विकल्प देती हैं।

**मुख्य प्रकार:**

1. **सैद्धांतिक निर्णय/पारस्परिक निर्णय:** एक तटस्थ मध्यस्थ (Arbitrator) विवाद का बाध्यकारी निर्णय देता है।
2. **सुलह/समझौता प्रक्रिया:** एक मध्यस्थ (Conciliator) दोनों पक्षों को **सहमति तक पहुँचने में मदद करता है**, लेकिन इसका निर्णय बाध्यकारी नहीं होता।
3. **मध्यस्थता:** स्वैच्छिक और गोपनीय प्रक्रिया, जिसमें एक तटस्थ Mediator विवाद सुलझाने में सहायता करता है।
4. **न्यायिक समाधान/लोक अदालत:** अदालत द्वारा भेजी गई सुलह प्रक्रिया, अक्सर **सार्वजनिक उपयुक्तता वाले विवादों** के लिए इस्तेमाल होती है।

**वैधानिक ढांचा (Legal Framework):**

1. **संविधान का अनुच्छेद 39A:** यह सभी नागरिकों के लिए **समान न्याय और मुफ्त कानूनी सहायता** सुनिश्चित करता है।
2. **सिविल प्रक्रिया संहिता (CPC), 1908 – सेक्शन 89:** ADR प्रक्रियाओं को औपचारिक रूप से मान्यता देता है और अदालतों को पक्षकारों को **वैकल्पिक विवाद समाधान** के लिए प्रेरित करने का अधिकार देता है।
3. **Arbitration and Conciliation Act, 1996 (संशोधित 2021):**
   - **Arbitration (पारस्परिक निर्णय)** और **Conciliation (सुलह प्रक्रिया)** के लिए **कानूनी आधार** प्रदान करता है।
   - इस अधिनियम के तहत **सैद्धांतिक और सुलह समझौते** बाध्यकारी और वैधानिक रूप से मान्य हैं।

**ADR को मजबूत करना ज़रूरी:**

1. **न्यायिक भार का भारीपन:** उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और केरल के न्यायाधीश प्रति न्यायाधीश 4,000 से अधिक मामलों देख रहे हैं, जिससे प्रत्येक मामले पर पर्याप्त ध्यान देना मुश्किल हो जाता है।
2. **विलंब और असंतोष:** बहुत सारे मामले **10 वर्षों से लंबित** हैं, जिससे जनता का औपचारिक न्याय प्रणाली पर विश्वास कमजोर हो रहा है।
3. **रिक्तियाँ और अवसंरचना की कमी:** उच्च न्यायालयों में **33% और जिला अदालतों में 21% रिक्तियाँ** होने के कारण मामले लंबित रह रहे हैं।
4. **सामाजिक लाभ:** पूर्व CJI D.Y. चंद्रचूड़ के अनुसार, **मध्यस्थता सामाजिक परिवर्तन का उपकरण** है, जो खुली बातचीत के जरिए सामुदायिक मूल्यों और संवैधानिक मान्यताओं को जोड़ती है।
5. **सांस्कृतिक प्रासंगिकता:** ADR भारतीय परंपरा के अनुरूप है; **गांव पंचायत प्रणाली** ऐतिहासिक रूप से विवादों को संघर्ष के बजाय **सम्मति के आधार पर** सुलझाती थी।

**वैश्विक संगति और वाणिज्यिक प्रासंगिकता:**

- **अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप:** ADR, **UNCITRAL मॉडल कानून** जैसी वैश्विक मान्यताओं के साथ मेल खाता है।
- **विदेशी निवेशकों की प्राथमिकता:** विदेशी निवेशक ADR को **तटस्थ और कुशल** प्रक्रिया के रूप में पसंद करते हैं।
- **आर्थिक महत्व:** इससे भारत की **वैश्विक व्यापारिक भागीदारी** और निवेश आकर्षण बढ़ता है।

**निष्कर्ष:** ADR न केवल अदालतों का बोझ कम करता है, बल्कि न्याय को **मानवीय और संवादात्मक** बनाता है, जिससे यह संघर्षपूर्ण की बजाय सहयोगात्मक अनुभव बन जाता है।

# प्रतिभूति लेनदेन कर / Securities Transaction Tax (STT)

**संदर्भ:**

भारत की सुप्रीम कोर्ट ने **Securities Transaction Tax (STT)** की संवैधानिक वैधता पर एक याचिका की जांच करने का फैसला किया है। STT एक **प्रत्यक्ष कर** है, जो **सूचीबद्ध स्टॉक एक्सचेंज के माध्यम से होने वाले सिक्योरिटी लेन-देन पर** लगाया जाता है और इसे **Finance Act, 2004** के तहत लागू किया गया है।

## Securities Transaction Tax (STT) के बारे में:

### पृष्ठभूमि:

- वित्त अधिनियम 2004 ने **Securities Transaction Tax (STT)** पेश किया, ताकि वित्तीय बाजार में होने वाले लेन-देन से कर संग्रहण सरल और प्रभावी हो सके।
- इसका उद्देश्य था कि लोग स्टॉक्स की बिक्री से होने वाले लाभ (Capital Gains) को छिपाकर कर चोरी न कर सकें।

### STT क्या है?

- STT एक **प्रत्यक्ष कर** है, जो भारत में मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध हर **खरीद और बिक्री** लेन-देन पर लगाया जाता है।
- यह लेन-देन मूल्य के ऊपर अतिरिक्त राशि के रूप में लगाया जाता है, जिससे **ट्रांज़ैक्शन का कुल मूल्य बढ़ता है।**

### नियमन:

- STT, **Securities Transaction Tax Act (STT Act)** द्वारा नियंत्रित है।
- STT Act में उन लेन-देन की स्पष्ट सूची है, जिन पर STT लगाया जा सकता है।

### STT दर:

- सरकार द्वारा तय की जाती है और आवश्यकतानुसार संशोधित की जा सकती है।

### कर योग्य प्रतिभूतियाँ (Taxable Securities):

1. शेयर, स्क्रिप, स्टॉक्स, बॉन्ड और डिबेंचर्स
2. डेरिवेटिव्स (Futures और Options)
3. म्यूचुअल फंड और अन्य सामूहिक निवेश योजनाओं की यूनिट्स
4. सरकारी प्रतिभूतियाँ (Equity Nature वाली)
5. Equity-oriented म्यूचुअल फंड यूनिट्स
6. प्रतिभूतियों में अधिकार या हित
7. Securitised Debt Instruments

## संवैधानिक चुनौती के आधार :

### मूलभूत अधिकारों का उल्लंघन:

- STT को **अनुच्छेद 14** (समानता का अधिकार) और **अनुच्छेद 19(1)(g)** (व्यवसाय करने की स्वतंत्रता) के साथ-साथ **अनुच्छेद 21** में निहित आजीविका के अधिकार का उल्लंघन माना गया है।

### व्यवसाय पर कर (Tax on the Act of Profession):

- याचिका में बताया गया कि STT भारत में एकमात्र ऐसा कर है जो **सिर्फ व्यवसाय करने के लिए लगाया जाता है**, चाहे लाभ हो या हानि।
- इसे दंडात्मक और रोकने वाला कर बताया गया है, जो वैध बाजार भागीदारी को हतोत्साहित करता है।

### दोहरी कराधान की चिंता :

- STT के कारण **दोहरी कराधान** होती है, क्योंकि व्यापारी पहले से ही **Capital Gains Tax** का भुगतान कर चुके होते हैं।
- STT का अतिरिक्त लगना संवैधानिक रूप से अनुचित बताया गया है।

### रिफंड तंत्र का अभाव (Lack of Refund Mechanism):

- TDS की तरह, वार्षिक आयकर में समायोजित या रिफंड किया जा सकता है, STT किसी स्थिति में रिफंड या समायोजन योग्य नहीं है, भले ही व्यापारी घाटे में हो।
- इस असमानता के कारण इसे **मनमाना और अन्यायपूर्ण** माना गया है।

## STT Collection में जबरदस्त बढ़ोतरी:

सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (STT) की **संग्रह राशि में 75% से अधिक की बढ़ोतरी** देखी गई है।

- **2025 (12 जनवरी तक):** ₹44,538 करोड़
- **2024 (समान अवधि):** ₹25,415 करोड़

यह बढ़ोतरी बाजार गतिविधियों में वृद्धि और वित्तीय लेन-देन के विस्तार को दर्शाती है।

## ओला इलेक्ट्रिक ने भारत की पहली रेयर अर्थ फ्री फेराइट मोटर का अनावरण किया / Ola Electric unveils India's first rare earth free ferrite motor

**संदर्भ:**

इलेक्ट्रिक व्हीकल (EV) निर्माता कंपनी ओला इलेक्ट्रिक ने देश की पहली बिना रेयर अर्थ मेटल वाली टू-व्हीलर फेराइट मोटर तैयार की है। इस मोटर को केंद्र सरकार की ओर से मंजूरी भी मिल गई है।

**ओला की फेराइट मोटर को सरकारी मंजूरी – मुख्य बिंदु:**

- **सर्टिफिकेशन एजेंसी:** ग्लोबल ऑटोमोटिव रिसर्च सेंटर (GARC), तमिलनाडु ने मोटर को **सर्टिफाई** किया।
- **मानक:** सड़क परिवहन मंत्रालय द्वारा तय **AIS 041** के तहत टेस्ट किए गए।
- **टेस्ट प्रकार:** मोटर ने कड़े परफॉर्मेंस और पावर टेस्ट पास किए।
- **महत्त्व:** यह देश में इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में स्वदेशी तकनीक को बढ़ावा देने की दिशा में अहम कदम है।
- **प्रभाव:** नई मोटर का इस्तेमाल आने वाले ओला इलेक्ट्रिक वाहनों में होगा, जिससे लागत कम और आपूर्ति निर्भरता घटेगी।

**क्या है फेराइट मोटर?:**

फेराइट मोटर एक प्रकार की इलेक्ट्रिक मोटर है, जो मैग्नेट के रूप में दुर्लभ-पृथ्वी तत्वों की बजाय फेराइट मैग्नेट का उपयोग करती है। फेराइट मैग्नेट लोहे के ऑक्साइड और स्ट्रोंटियम या बेरियम जैसे तत्वों से मिलकर बनते हैं। ये रेयर-अर्थ मैग्नेट की तुलना में कम शक्तिशाली होते हैं, लेकिन सस्ते और आसानी से उपलब्ध हैं।

**मुख्य लाभ:**

- **कम लागत:** निर्माण की कुल लागत घटती है।
- **आपूर्ति स्थिरता:** दुर्लभ-पृथ्वी तत्वों के आयात पर निर्भरता कम होती है।
- **बेहतर प्रदर्शन:** आधुनिक डिज़ाइन और नियंत्रण तकनीकों के चलते ईवी में रेयर-अर्थ मोटरों जैसा प्रदर्शन।
- **जंग प्रतिरोध:** फेराइट मैग्नेट जंग से अधिक सुरक्षित होते हैं।

**मुख्य उपयोग:**

- **इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी):** विशेष रूप से इलेक्ट्रिक स्कूटरों में, जैसा कि ओला इलेक्ट्रिक ने प्रमाणित किया है।
- **घरेलू उपकरण:** वॉशिंग मशीन और रेफ्रिजरेटर में।
- **छोटे इलेक्ट्रिक मोटर:** खिलौनों और छोटे उपकरणों में।
- **लाउडस्पीकर:** ध्वनि उत्पन्न करने में प्रभावी उपयोग।

फेराइट मोटर देश में ईवी निर्माण को **सस्ता, टिकाऊ और आत्मनिर्भर** बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

**चीन का रेयर अर्थ पर दबदबा – मुख्य बिंदु**

- **दुनियाभर में प्रभुत्व:** रेयर अर्थ मैग्नेट्स का लगभग 90% वैश्विक आपूर्ति चीन से होती है।
- **आत्मनिर्भरता की आवश्यकता:** इन प्रतिबंधों ने भारत और अन्य देशों को रेयर अर्थ पर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।
- **खनन और प्रोसेसिंग चुनौती:** रेयर अर्थ मैग्नेट्स को निकालना और संसाधित करना महंगा और जटिल है।

| देश | उत्पादन (मीट्रिक टन) | भाग (%) |
|---|---|---|
| चीन | 270,000 | 69% |
| अमेरिका | 45,000 | 12% |
| म्यांमार | 31,000 | 8.0% |
| ऑस्ट्रेलिया | 13,000 | 3.0% |
| थाईलैंड | 4,000 | 1.0% |
| वियतनाम | 4,300 | 1.0% |
| भारत | 2,900 | 0.7% |
| ब्राजील | 20 | 0.1% |

**दुर्लभ-पृथ्वी तत्व के बारे मे:** दुर्लभ-पृथ्वी तत्व कुल 17 धात्विक तत्वों का समूह है- जिनमें 15 लैंथेनाइड्स के साथ **स्कैंडियम और येट्रियम** शामिल हैं।

- ये तत्व धरती की परत में अच्छी मात्रा में मौजूद होते हैं, लेकिन इन्हें निकालना और शुद्ध करना कठिन व महंगा होता है।
- इनकी खासियत है इनके अनूठे चुंबकीय, ऑप्टिकल और इलेक्ट्रॉनिक गुण, जो इन्हें रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण बनाते हैं।

**गुण और उपयोग:**

- **उच्च तकनीकी उपकरण:** स्मार्टफोन, लैपटॉप, टीवी, कैमरा डिस्प्ले, ऑडियो स्पीकर और लेज़र में इनका उपयोग होता है।
- **स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी:** विंड टर्बाइन और इलेक्ट्रिक वाहनों की मोटर व बैटरी में शक्तिशाली स्थायी मैग्नेट बनाने के लिए इनकी ज़रूरत होती है।
- **रक्षा और चिकित्सा:** लड़ाकू विमान, गाइडेड मिसाइल, रडार सिस्टम और एमआरआई मशीन जैसे अहम उपकरणों में भी इनका इस्तेमाल होता है।

## नोबेल पुरस्कार भौतिकी / Nobel Prize in Physics

**संदर्भ:**

2025 का **नोबेल पुरस्कार भौतिकी** में **जॉन क्लार्क, मिशेल एच. डेवोरेट और जॉन एम. मार्टिनिस** को उनके इलेक्ट्रिक सर्किट में मैक्रोस्कोपिक क्वांटम टनलिंग और ऊर्जा क्वांटाइजेशन की खोज के लिए दिया गया।

**नोबेल विजेता और उनकी खोज:**

**विजेताओं का परिचय:**

- **जॉन क्लार्क:** यूनिवर्सिटी ऑफ़ कैलिफ़ोर्निया, बर्कले के प्रोफेसर और 1980 के प्रयोगों के पर्यवेक्षक।
- **मिशेल एच. डेवरट:** येल यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ़ कैलिफ़ोर्निया, सैंटा बारबरा के प्रोफेसर; गूगल क्वांटम AI में चीफ साइंटिस्ट।
- **जॉन एम. मार्टिनिस:** यूनिवर्सिटी ऑफ़ कैलिफ़ोर्निया, सैंटा बारबरा के प्रोफेसर और क्वांटम कंप्यूटिंग स्टार्टअप के सह-संस्थापक।

**खोज का असर:** इनकी खोज ने क्वांटम टेक्नोलॉजी को नया मुकाम दिया और क्वांटम कंप्यूटिंग की नींव रखी।

**खोज: क्वांटम का कमाल:**

- **क्वांटम मैकेनिक्स:** छोटे कणों (जैसे इलेक्ट्रॉन) का विज्ञान, जिसमें अजीब व्यवहार होते हैं – जैसे टनलिंग (दीवार पार करना) और एनर्जी का क्वांटाइजेशन (ऊर्जा के छोटे पैकेट)।
- **मैक्रोस्कोपिक क्वांटम टनलिंग:** सुपरकंडक्टिंग सर्किट्स में इलेक्ट्रॉन बिना ऊर्जा खर्च किए 'टनल' करके बाधा पार करते हैं, जिससे सर्किट सुपरफास्ट बनता है।
- **एनर्जी क्वांटाइजेशन:** सर्किट में ऊर्जा छोटे स्तरों पर रहती है, जैसे सीढ़ियाँ। इससे क्यूबिट्स 0 और 1 दोनों स्थिति में रह सकते हैं।

**खोज क्यों महत्वपूर्ण है: क्वांटम क्रांति**

- **क्वांटम कंप्यूटिंग:** क्यूबिट्स से सुपरकंप्यूटर बनेंगे, जो दवाएं खोजने, मौसम का अनुमान लगाने और क्रिप्टोग्राफी में मदद करेंगे।
- **सेंसर:** बेहतर MRI मशीनें और डिटेक्टर।
- **सुपरकंडक्टर्स:** ऊर्जा हानि रहित वायर, जिससे बिजली की बचत होगी।

## वाइल्डलाइफ वीक 2025 / Wildlife Week 2025

**संदर्भ:**

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री **श्री भूपेंद्र यादव** ने **Wildlife Week 2025** समारोह की अध्यक्षता **देहरादून** में की।

**वाइल्डलाइफ वीक 2025:**

वाइल्डलाइफ वीक भारत में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के साथ वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (WII), इंडियन काउंसिल ऑफ फॉरेस्ट्री रिसर्च एंड एजुकेशन (ICFRE), इंदिरा गांधी नेशनल फॉरेस्ट अकादमी (IGNFA) और फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टिट्यूट (FRI) द्वारा आयोजित की जाती है।

**उद्देश्य:**

- संस्थानों के बीच समन्वय बढ़ाना।
- वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना।
- मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए समुदाय-केंद्रित उपाय अपनाना।

**वार्षिक उत्सव:** भारत हर साल 2 से 8 अक्टूबर तक वाइल्डलाइफ वीक मनाता है। इसकी शुरुआत 1952 में हुई थी और यह आज भी प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी को प्रेरित करती है।

**2025 का विषय:** 'मानव-वन्यजीव सहअस्तित्व'

**प्रमुख परियोजनाएँ और पहलें:**

**राष्ट्रीय स्तर की परियोजनाएँ:**

- **प्रोजेक्ट डॉल्फिन (फेज-II):** भारत में नदियों और समुद्री सीटेसियन प्रजातियों के संरक्षण को मजबूत करना।
- **प्रोजेक्ट स्लॉथ बीयर:** स्लॉथ बीयर संरक्षण के लिए राष्ट्रीय रूपरेखा लागू करना।
- **प्रोजेक्ट घड़ियाल:** घड़ियाल संरक्षण और आबादी प्रबंधन के लिए कार्ययोजना बनाना।
- **सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर ह्यूमन-वाईल्डलाइफ कॉन्फ्लिक्ट (CoE-HWC) @ SACON:** नीति, अनुसंधान और क्षेत्र-आधारित संघर्ष निवारण में सहयोग।
- **टाइगर्स आउटसाइड टाइगर रिज़र्व्स:** संरक्षित क्षेत्रों के बाहर संघर्षों को तकनीक, सामुदायिक भागीदारी और परिदृश्य आधारित उपायों से हल करना।

# मेडिसिन में नोबेल पुरस्कार 2025 / Nobel Prize in Medicine 2025

**संदर्भ:**

2025 का नोबेल पुरस्कार फिजियोलॉजी या मेडिसिन में रेगुलेटरी टी-सेल्स (Tregs) और FOXP3 से जुड़ी खोजों को सम्मानित किया गया। इन अनुसंधानों ने ऑटोइम्यून नियंत्रण और शरीर की स्व-सहनशीलता (self-tolerance) को समझने का तरीका पूरी तरह बदल दिया है।

**मेडिसिन में नोबेल पुरस्कार 2025 – प्रमुख विजेता और योगदान**

- **शिमोन साकागुची (ओसाका यूनिवर्सिटी, जापान):**
  - 1990 के दशक के मध्य में **रेगुलेटरी टी सेल्स (Tregs)** की खोज की।
  - Tregs इम्यून सिस्टम के **सुरक्षा गार्ड** के रूप में काम करती हैं, अन्य इम्यून कोशिकाओं को नियंत्रित करती हैं और **ऑटोइम्यून बीमारियों** से बचाती हैं।
- **मैरी ई. ब्रंकॉ (इंस्टीट्यूट फॉर सिस्टम्स बायोलॉजी, अमेरिका) और फ्रेड राम्सडेल (सोनोमा बायोथेरेप्यूटिक्स, अमेरिका):**
  - संयुक्त रूप से **FOXP3 जीन** की पहचान की।
  - यह दिखाया कि FOXP3 में म्यूटेशन से रेगुलेटरी टी सेल्स **असक्षम हो जाती हैं**, जिससे गंभीर **ऑटोइम्यून रोग** होते हैं।
  - साकागुची ने बाद में प्रमाणित किया कि **FOXP3 जीन Tregs के विकास को नियंत्रित करता है**।

**उनके आविष्कारों का प्रभाव:** विजेताओं के काम ने **परिधीय इम्यून सहिष्णुता** के क्षेत्र की नींव रखी और चिकित्सा उपचारों के नए रास्ते खोले।

**संभावित उपयोग:**

- **ऑटोइम्यून रोग:** इम्यून सिस्टम के संतुलन को बहाल करने वाली लक्षित चिकित्सा विकसित करना।
- **कैंसर उपचार:** रेगुलेटरी टी सेल्स को नियंत्रित करके ट्यूमर से लड़ने के लिए नई इम्यूनोथेरपी तैयार करना।
- **ऑर्गन ट्रांसप्लांटेशन:** नए अंग को अस्वीकार करने से रोकने के लिए रेगुलेटरी टी सेल्स का उपयोग करना।

**इम्यून सिस्टम:**

- **मानव प्रतिरक्षा तंत्र:** मानव शरीर में एक शक्तिशाली और जटिल इम्यून सिस्टम होता है, जो न केवल बैक्टीरिया और वायरस से लड़ता है, बल्कि यह पहचानता भी है कि कौन-से सेल पर हमला नहीं होना चाहिए।
- **इम्यून डिफेंस मेकैनिज़्म:** मानव प्रतिरक्षा तंत्र हर दिन हजारों सूक्ष्मजीवों से लड़ता है। इसमें **टी-सेल्स (T cells)** जैसी विशेष कोशिकाएँ pathogens को पहचानकर नष्ट करती हैं।

**सेल्फ-टोलेरेंस की चुनौती:** प्रतिरक्षा तंत्र को शरीर की अपनी कोशिकाओं को भी पहचानना होता है और उन पर हमला नहीं करना चाहिए। यदि यह प्रक्रिया विफल हो जाए, तो **ऑटोइम्यून रोग** होते हैं, जिसमें प्रतिरक्षा कोशिकाएँ गलती से स्वस्थ ऊतक को नष्ट कर देती हैं।

**थाइमस की भूमिका (सेंट्रल टोलेरेंस):** दशकों तक वैज्ञानिकों का मानना था कि **थाइमस ग्रंथि** टी-सेल्स के परिपक्व होने के दौरान हानिकारक सेल्स को समाप्त करके सेल्फ-टोलेरेंस सुनिश्चित करती है। इसे **सेंट्रल टोलेरेंस** कहा जाता है।

- लेकिन यह स्पष्ट नहीं करता कि क्यों कुछ स्वयं-प्रतिक्रियाशील इम्यून सेल्स स्वस्थ व्यक्तियों में अभी भी सर्कुलेट करती हैं।

**नोबेल पुरस्कार के बारे में**

- **उत्पत्ति:** अल्फ्रेड नोबेल (1833–1896) की वसीयत के अनुसार स्थापित, नोबेल पुरस्कार 1901 से हर साल मानवता में असाधारण योगदान के लिए दिए जा रहे हैं।
- **श्रेणियाँ:** नोबेल पुरस्कार छह क्षेत्रों में दिए जाते हैं –
  1. भौतिकी (Physics)
  2. रसायन विज्ञान (Chemistry)
  3. शरीर रचना या चिकित्सा (Physiology or Medicine)
  4. साहित्य (Literature)
  5. शांति (Peace)
  6. आर्थिक विज्ञान (Economic Sciences) – 1969 में स्वीडिश सेंट्रल बैंक द्वारा जोड़ा गया।

**पुरस्कार देने वाले संस्थान:**

- भौतिकी, रसायन विज्ञान और अर्थशास्त्र - रॉयल स्वीडिश अकादमी ऑफ़ साइंसेज़
- शरीर रचना या चिकित्सा - कैरोलीन्स्का इंस्टिट्यूट, स्वीडन
- साहित्य - स्वीडिश अकादमी
- शांति पुरस्कार - नॉर्वेजियन नोबेल कमिटी, ऑस्लो

- **पुरस्कार के घटक:** प्रत्येक नोबेल पुरस्कार में **स्वर्ण पदक, डिप्लोमा, और मौद्रिक इनाम** शामिल होता है (2025 में 11 मिलियन स्वीडिश क्रोनर)।

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
इतिहास
अर्थव्यवस्था
भूगोल
भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था
1500x4
₹6000/-
₹4500/-
रोज़ाना लाइव क्लासेस
साप्ताहिक टेस्ट
क्लास की पीडीएफ (हिंदी + अंग्रेज़ी में)
लाइव डाउट सेशन
रोज़ाना प्रैक्टिस प्रश्न
COURSE VALIDITY
1 YEAR

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
FOUNDATION COURSE
OF MUTUAL FUND
INVEST IN KNOWLEDGE GROW YOUR WEALTH
COMBO OFFERS
COURSE FEE
₹4000/-
OFFER PRICE
₹2800/-
Course Validity
1 YEAR
BBK
Baaten Bazaar ki
एक निवेश समझदारी से..

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
Baaten Bazar Ki
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुवात

FOUNDATION COURSE OF
MUTUAL FUND
Invest in Knowledge
Grow Your Wealth
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..

# PORTFOLIO BUILDING AND MANAGEMENT COURSE

## + (FUNDAMENTAL OF STOCK MARKET)

FREE

EMI AVAILABLE

- Long-Term Investing Foundations
- Principles of Value Investing and Stock
- Portfolio Construction Mastery
- Sectoral Investing
- Stock Picking Framework
- Active Portfolio Management Techniques
- Mega Cap vs Mid Cap Strategy

**SPECIAL BONUS**

**COURSE VALIDITY**
**1 YEAR**